मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 243, मुंबई, मंगलवार, 16 नवंबर, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतली • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

आरएसएस ने 2014 के पहले नहीं फहराया तिरंगा

मुंबई। फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत के आजादी वाले बयान पर पूरे देश में बवाल मचा हुआ है। महाराष्ट्र के कांग्रेसी के अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा की इन सब के पीछे आरएसएस का हाथ है। आरएसएस ने साल 2014 के पहले तक देश में कभी भी तिरंगा नहीं फहराया था। इन सभी लोगों ने 1947 में मिली आजादी को कभी आजादी माना ही नहीं।

भाजपा की चौपाल में नेताओं ने भरी हुंकार

मुंबई। मुंबई भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा द्वारा रविवार को मनपा के सभी 227 वार्डों में चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें मुंबई भजपा के सभी बड़े नेताओं के साथ सांसदों, विधायकों और नगरसेवकों से ने उत्तर भारतीय लोगों के साथ संवाद साधा। इसी कड़ी में ईशान्य मुंबई में सांसद मनोज कोटक, उत्तर मुंबई में सांसद गोपाल शेट्टी, उत्तर मध्य में सांसद पूनम महाजन ने चौपाल में शिरकत की। जबकि बांद्रा में विधायक आशीष शेलार, दिंडोशी में पूर्व विधायक और मुंबई भाजपा उपाध्यक्ष राजहंस सिंह आदि नेताओं ने चौपाल को संबोधित किया। (शेष पृष्ठ 3 पर)

नाना पटोले का अजब दावा

महाराष्ट्र दंगों के पीछे बीजेपी? नवाब मलिक ने उठाया सवाल

पूछा- रजा अकादमी के दफ्तर में क्या कर रहे थे आशीष शेलार?

मुंबई। दंगो को लेकर महाराष्ट्र में सियासत गर्म हो गई है। एक तरफ जहां बीजेपी नेताओं की गिरफ्तारी हो रही है। वहीं दूसरी तरफ महाराष्ट्र सरकार डैमेज कंट्रोल में जुटी हुई है। सरकार के चर्चित कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर यह दावा किया कि रजा अकादमी में इतनी ताकत नहीं है कि वह पूरे राज्य को बंद करवा सके। मलिक ने कहा कि उनके कुछ मौलाना जरूर राजनीतिक दलों के दफ्तरों में घूमते रहते हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान नवाब मलिक ने अपरोक्ष रूप से यह कहने की कोशिश की, कि इन दंगों के पीछे महाराष्ट्र बीजेपी के नेता शामिल हैं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

'खून की प्यासी आघाड़ी सरकार'

कंडक्टर ने पिया जहर

पालघर जिले के जव्हार बस डिपो के एक एसटी बस कंडक्टर ने जहर पीकर आत्महत्या की कोशिश की। दीपक गोरखडे नाम के कंडक्टर की हालत नाजुक है और उसे इलाज के लिए नाशिक के एक अस्पताल में दाखिल कराया गया है। बताया जा रहा है कि कम और अनियमित वेतन से परेशान होकर गोरखडे ने आत्महत्या की कोशिश की।

मुंबई। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे एसटी कर्मचारियों से मुलाकात करने भाजपा नेता आशीष शेलार आजाद मैदान पहुंचे। उन्होंने एसटी कर्मचारियों को अपना समर्थन देते हुए सरकार को आगाह किया कि वह एसटी के राज्य सरकार में विलय को लेकर आसान रास्ते तलाशे। इसके लिए बजट में प्रावधान किए जाएं। शेलार ने कहा कि यह सरकार 40 लोगों की आत्महत्या की वजह बनी खून की प्यासी सरकार है। इस मौके पर पूर्व मंत्री सदाभाऊ खोत और विधायक गोपीचंद पडलकर मौजूद रहे। शेलार ने कहा कि एसटी कर्मचारियों की मांग इतनी है कि उन्हें सरकारी कर्मचारियों जैसे लाभ मिले और पहचान मिले। इसके लिए मात्र एक वाक्य की जीआर निकालना है। हम राज्य सरकार को पूरा सहयोग करेंगे, लेकिन उन्होंने मना किया तो याद रखें कि हम वापस आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई केवल एसटी कर्मचारियों की नहीं है बल्कि महाराष्ट्र के गरीब, दलित, पीड़ित और वंचित समुदायों को न्याय दिलाने की लड़ाई है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

निर्भया पथक ने नवजात को बचाया

मुंबई। जाको राखे साईंयां मार सके ना कोय वाली कहावत एक बार फिर सही साबित हो गई है। घाटकोपर पूर्व स्थित रमाबाई कॉलोनी के नाले के पास कचरे के ढेर में एक नवजात पाया गया, जिसे जन्म देने वाली एक कलियुगी माता फेंककर फरार हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पंतनगर पुलिस की निर्भया पथक ने उसे सही सलामत बचा कर का सराहनीय कार्य किया है। गौरतलब है कि नाले के पास लगे कचरे के ढेर में नवजात शिशु की आवाज सुनकर एक व्यक्ति ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी थी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

सख्ती सराहनीय

दिल्ली में पर्यावरण चिंता के साथ-साथ शर्म की भी एक बड़ी वजह है। प्रदूषण की पराकाष्ठा एक तरह से पराजय है, जिसे स्वीकार किए बिना सुधार की गुंजाइश नहीं है। ऐसे में, दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम लिमिटेड (एनबीसीसी) पर जो जुमार्ना लगाया है, वह स्वागतयोग्य है। पूर्वी दिल्ली के कड़कड़डूमा में एक परियोजना में धूल नियंत्रण नियमों का उल्लंघन करने के लिए पांच लाख रुपये का जुमार्ना एक ऐसा कदम है, जिसे उदाहरण माना जा सकता है। दिल्ली सरकार ने धूल रोधी अभियान के दूसरे चरण की शुरूआत की है, जो 12 दिसंबर तक चलेगा। भला हो कि एनबीसीसी की एक परियोजना का निरीक्षण किया गया और पाया गया कि कुछ स्थानों पर धूल नियंत्रण के उपाय नहीं किए गए हैं। अव्वल तो दिल्ली में धूल के प्रकोप को रोकने के लिए शुरू किए गए इस अभियान की प्रशंसा करनी चाहिए, लेकिन इससे कई सवाल भी खड़े होते हैं। क्या यह काम पहले ही नहीं हो सकता था? क्या सरकार भवन निमार्ताओं और धूल पैदा करने वाले अन्य कृत्यों पर पहले ही अंकुश नहीं लगा सकती थी? सवालों के बावजूद यह सख्ती सही दिशा में उठाया गया कदम है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री ने कहा है कि सभी सरकारी विभागों को धूल रोधी प्रकोष्ठ बनाने और धूल रोधी संयुक्त कार्ययोजना को अमल में लाने के लिए दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के साथ समन्वय में काम करना होगा। दुनिया देख रही है, दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्मॉग की समस्या और बढ़ गई है। कई जगह ऐसी स्थिति है कि 200 मीटर के बाद कोई चीज दिख नहीं रही है। राजधानी में नवंबर की शुरूआत से ही प्रदूषण के स्तर में वृद्धि से लोगों को परेशानी हो रही है। बीमारियों के संक्रमण के दौर में प्रदूषण से खासकर बुजुर्गों और सांस की तकलीफ वाले लोगों के लिए सांस लेना भी मुश्किल है। सब जानते हैं, हर साल 1 नवंबर से 15 नवंबर के बीच दिल्ली में लोगों को बेहद दूषित हवा में सांस लेनी पड़ती है। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 450 के भी ऊपर चला जाता है। प्रदूषण कारक कण पीएम 2.5 की मात्रा 350 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक पहुंच जाती है। मतलब, हम कह सकते हैं कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण अपनी सामान्य सीमा से करीब छह गुना ज्यादा हो जाता है। और तो और, इस मौसम में हवा भी धीमी रफ्तार से बहती है या लगभग ठहर सी जाती है, तो शहर में भर आया प्रदूषण बाहर नहीं निकल पाता है। लोगों के लिए खतरा बढ़ जाता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि प्रदूषण निवारण के लिए सरकारों को सख्ती बरतते हुए आगे आना चाहिए। दिल्ली सरकार ने एक कदम उठाया है, लेकिन क्या यही एक कदम पर्याप्त है? बड़े पैमाने पर उन लोगों और संस्थानों पर जुमार्ना लगाने की जरूरत है, जो तय मानकों का लगातार उल्लंघन कर रहे हैं। सरकारों को अपने सभी विभागों को निर्देश देना चाहिए कि सब अपने-अपने स्तर पर प्रदूषण में कमी लाने की पहल करें। जो लोग समझ नहीं रहे हैं, उन पर सख्ती ही बेहतर विकल्प है। तरह-तरह से प्रयास हुए हैं, सरकारों ने भी अपनी ओर से अभियान चलाए हैं, लेकिन उनमें कहीं न कहीं ईमानदारी की कमी है, दिखावा भी खूब हुआ है। वक्त आ गया है कि प्रदूषण फैलाने के लिए जिम्मेदार लोगों को कठघरे में खड़ा किया जाए।

बचपन बचाएं जीवन सजाएं

लक्ष्य को ध्यान में रख कर भाषाएं, कला और खेल सीखे जायेंगे. ऐसे नियंत्रण में बालपन कैसे बचेगा? बच्चे रहेंगे, पर उनकी सरलता, सहजता और स्वतः स्फूर्त समरसता दब जायेगी...

बाल दिवस के हवाले से एक सवाल पूछना जरूरी है. क्या बचपन सामाजिक नियंत्रण का शिकार होकर रह गया है? घर-परिवार, आस-पड़ोस, पढ़ाई-लिखाई, खेल-कूद और कला-मनोरंजन बच्चों को यथाशीघ्र बड़ा बना देना चाहते हैं. तुलसीदास की चौपाई में हम बचपन का सम्मान सुन कर आह्लादित तो होते हैं, लेकिन उससे प्रेरित नहीं होते. हम सोचते हैं, सूरदास ने बाल गोपाल की स्तुति की है, बालपन की नहीं.

बाल दिवस सरकारी कार्यक्रमों में सिमट कर रह गया है. उपभोक्तावादी संस्कृति में रिश्तों-नातों और भावनाओं के नाम पर विशेष दिवस मनाने की अजीबोगरीब प्रथा बन गयी है. उपहार देकर, फोटो खिंचवा कर और कुछ पंक्तियों में भावनाओं के आंसू बहा कर हम मन का बोझ हल्का कर लेते हैं. सोशल मीडिया के जरिये भावनाएं और संवेदनाएं व्यक्त हो जाती हैं.

सूचना प्रधान समाज में तकनीक की तरह बच्चे और बचपन भी बदल रहे हैं. उनके मां-बाप, शिक्षक, परिजन सब बच्चों से यही उम्मीद करते हैं कि वे जल्दी से बड़े और होशियार हो जाएं. बड़ा होना और प्रगतिशील होना एक ही मान लिया गया है. घर, मोहल्ला और कक्षा में अव्वल रहने का भूत बच्चों की हर गतिविधि पर सवार हो जाता है. साधारण या औसत होना पिछड़ेपन की निशानी समझी जाती है. बस मजे के लिए कविता-कहानी पढ़ना या सुनना अब समय की बबार्दी समझ ली जाती है.

नाचना-गाना, खेलना-कूदना भी वैसे ही गंभीर हो गया है, जैसे गणित और विज्ञान की पढ़ाई. चाहे बाजार हो या सरकार, सब बच्चों को होशियार, काबिल और संस्कारी बना देना चाहते हैं. ऐसा लगता है कि हमें बालसुलभ चंचलता, उत्सुकता और बेपरवाही से बैर है. रंग-बिरंगे विज्ञापनों में जो बालपन दिखता है, वह भी कुछ होशियार वयस्कों के गणितीय और वाणिज्यिक सोच के परिणाम मात्र हैं. बालपन भी बाजारू उत्पाद जैसा लगता है. बच्चा दिखता है, बचपन नहीं.

सब मिल कर यही सुनिश्चित करने में लगे रहते हैं कि बच्चे को उनकी नादानी से छुटकारा मिल जाए. अब नादानी नहीं रहेगी, तो यह खतरा भी नहीं रहेगा कि कोई बच्चा आकर राजा को कह दे कि वो नंगा है! अब राजा तो रहा नहीं, तो भोलेपन के साथ बच्चे माता-पिता या शिक्षकों के दोष की तरफ ही इशारा कर देते हैं. उपनिषदों के युग से ही नचिकेता नामक बच्चे ने अपने पिता को चुनौती देना शुरू कर दिया था. सांसारिक चतुराई से ग्रस्त समाज में बच्चे और उनके बचपने के विरुद्ध वयस्क मानसिकता ने एक जंग छेड़ रखी है.

आज का साहित्य, संगीत और पॉपुलर संस्कृति भी यही दशार्ता है. अव्वल तो ऐसे साहित्यकार और गीतकार ही नहीं, जो बचपन की तह में जाकर कुछ लिखें. जो बच्चों के लिए लिखते भी हैं, वे असल में वयस्क महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में लगे रहते हैं. ऐसे में बच्चे जरूरत से ज्यादा स्मार्ट दिखते हैं. बालपन भी उद्योग में सजे-संवरे बुद्धि कौशल से निखरे प्रदर्शन की तरह हो गया है. मुश्किल से कभी-कभार एक-दो फिल्में दिखती हैं, जो शुद्ध रूप से बालपन का जश्न प्रस्तुत करें, लेकिन लगता है कि वह जश्न भी मूलतः वयस्क दर्शकों के मजे के लिए ही बनते हैं.

अब ऐसे में कैसे समझें कि पंडित नेहरू को बच्चों से क्यों इतना प्रेम था? क्यों उन्होंने बच्चों के लिए विशेष सिनेमा प्रभाग बनाया था तथा अनेक सांस्थानिक प्रयोगों को बढ़ावा दिया था, ताकि बालपन को सहेजा जा सके. आधुनिकता के जनक माने जाने वाले पंडित नेहरू को बालपन की बहुत परवाह थी. सिनेमा जैसे आधुनिक माध्यम से भी वे बच्चों को नये-नये किस्से और कल्पनाएं देना चाहते थे. किसी राजनेता से इतना सहज और सरल संबंध बालपन के जरिये ही बन सकता है.

यह वैसा ही था, जैसे घर-परिवार में बुजुर्ग बच्चों के साथ बैठ कर नये- नये किस्से बनाते, सुनाते और उनके बालपन को नये आयाम देते. अपनी ही सीमाओं और बंधनों से बालपन में तो असीम आजादी मिलती है. बालपन की आनंद वाटिका में बिना किसी विशेष उद्देश्य के अजीबो-गरीब खेल भी खेले जाते- ओक्का-बोक्का, घोघो रानी, अक्कड़-बक्कड़ और ना जाने क्या-क्या. सब कुछ आनंद में सराबोर होता है, भारी-भरकम उद्देश्यों में नहीं. जैसे-जैसे सुविधाएं बढ़ीं, सिनेमा के अलावा और माध्यम आ गये.

बालपन को संवारने वाले किस्से, खेल और कला गायब होते गये. जो गायब नहीं हुए, उन्हें समाज की वयस्क मानसिकता ने उद्देश्यों, लक्ष्यों और संस्कारों के नियंत्रण में ले लिया. नाप-तौल कर और जांच-परख कर ही कहानियां-कविताएं सुनी जायेंगी. लक्ष्य को ध्यान में रख कर भाषाएं, कला और खेल सीखे जायेंगे. ऐसे नियंत्रण में बालपन कैसे बचेगा? बच्चे रहेंगे, पर उनकी सरलता, सहजता और स्वतः स्फूर्त समरसता दब जायेगी.

कुल मिलाकर, हम बच्चों से तो प्यार करते हैं, लेकिन उनके बालपन से वैसे ही बचना चाहते हैं, जैसे कोई तानाशाह सवाल करनेवाले नागरिकों से बचने के हथकंडे अपनाता है. ऐसे में इस बाल दिवस पर कितना खास लगता है उर्दू के जाने-माने शायर निदा फाजली का एक लाजवाब शेर- ह्यबच्चों के छोटे हाथों को चांद सितारे छूने दो / चार किताबें पढ़ कर ये भी हम जैसे हो जायेंगे!' कैसा होगा हमारा सामाजिक-सांस्कृतिक संसार जिसमें बच्चे तो होंगे, बचपन नहीं!

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस. खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, **फोन:9619102478 /9821238815** email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस. खान**,
समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

एक रुपया रोज सेवा संस्था ने सेवा आश्रम में मनाया बाल दिवस

संवाददाता सैय्यद अलताफ हुसैन

आज बाल दिवस के अवसर पर एक रुपया रोज सेवा संस्था की ओर से सेवा आश्रम आश्रम मानसिक विमंदित बच्चे और महिलाओं को फल व चिप्स वितरण का कार्यक्रम रखा गया, संस्था संस्थापक सिकन्दर राठौड़ ने बताया कि आज के कार्यक्रम में सीमा शर्मा, मुमताज शेख, शिवांगी भारद्वाज, मुमताज बानो, चंचल सेन, मंजुलता रावत भावना रावत, सीता रामावत, मनोज कुमार, सुरेंद्र सेन आदि सदस्य उपस्थित रहे।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस की पदयात्रा

मुंबई। बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ मुंबई कांग्रेस की तरफ से रविवार को हिंदू कॉलोनी दादर स्थित राजगृह (डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर के निवास स्थान) से चैत्यभूमि, शिवाजी पार्क तक पदयात्रा निकाली गई। इस मौके पर कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी की तरफ से निकाली गई यह पदयात्रा देश की आम जनता की आवाज है और इस पदयात्रा के माध्यम से हमने केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ ऐतिहासिक युद्ध का ऐलान किया है। पदयात्रा में केसी वेणुगोपाल के अलावा महाराष्ट्र कांग्रेस प्रभारी एचके पाटिल, मंत्री अशोक चव्हाण, मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष भाई जगताप, मुंबई कांग्रेस के कार्याध्यक्ष चरणसिंह सप्रा, मुंबई के पालक मंत्री

असलम शेख, शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड, कार्याध्यक्ष चंद्रकांत हंडोरे, पूर्व सांसद संजय निरुपम व भालचंद्र मुणगेकर, मुंबई यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष जिशान सिद्दीकी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। एचके पाटिल ने कहा कि बढ़ती महंगाई और बढ़ती बेरोजगारी की वजह से केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ आम लोगों में कितना गुस्सा है यह पदयात्रा में देखने को मिला। मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष भाई जगताप ने कहा कि यह पदयात्रा केंद्र सरकार को एक चेतावनी है। अब उल्टी गिनती शुरू हो गई है। पदयात्रा के दौरान मुंबई कांग्रेस का अंदरुनी विवाद भी देखने को मिला। ट्रक पर चढ़ने को लेकर मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष भाई जगताप और मुंबई यूथ कांग्रेस अध्यक्ष जिशान सिद्दीकी में भिड़ंत हो गई। कार्यकर्ताओं ने जिशान को ट्रक में चढ़ने नहीं दिया। बाद में मीडिया से बात करते हुए भाई जगताप ने कहा कि जिशान सिद्दीकी उनके बेटे जैसा है। डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर के निवास स्थान राजगृह में प्रवेश के लिए हमने जिन 10 लोगों की लिस्ट भेजी थी, उनमें सभी विधायक शामिल नहीं थे। नाम तय करने के लिए बाबा साहेब के निवास स्थल की अपनी अलग यंत्रणा है।

अब हिंदू मार नहीं खाएगा

मुंबई। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि त्रिपुरा में घटना घटी या नहीं, यह सवाल है, लेकिन इसके लिए अमरावती, नांदेड, मालेगांव में अशांति फैलाने कितना उचित है? ऐसे में अमरावती में जो कुछ हुआ, वह हिंदुओं की सहज प्रतिक्रिया थी कि अब हिंदू मार नहीं खाएगा। वे पुणे में आयोजित एक कार्यक्रम के पहले पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 1993 के दंगों में हिंदू सम्राट बाला साहेब ठाकरे ने अहम भूमिका निभाई थी, नहीं तो मुंबई में हिंदू जीवित नहीं बचे होते। अमरावती की घटना पर बोलते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि त्रिपुरा में हो कुछ हुआ, उसकी सटीक जानकारी किसी को नहीं है। इस बारे में एक वीडियो बनाकर वायरल किया गया। इसके बाद अमरावती, नांदेड और मालेगांव में अशांति फैलाई गई। 15 से 20 हजार लोगों ने सड़कों पर उतरकर पूर्व मंत्री जगदीश गुप्ता सहित अनेक लोगों के कार्यालय में तोड़फोड़ की। इसका क्या संबंध है? इस वजह से यदि शनिवार की घटना में भाजपा का हाथ है, तो क्या इसके पहले जो तोड़फोड़ की घटना हुई उसमें संजय राऊत का हाथ है? पाटिल ने कहा कि कहा कि अमरावती में शनिवार को जो कुछ हुआ, उसमें एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया थी कि अब हिंदू मार नहीं खाएगा।

इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और अधिकार सेना पार्टी का टोरेंट कंपनी के विरुद्ध किया गया जेल भरो आंदोलन

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। विपक्षी दल टोरेंट कंपनी के मुद्दे को रामबाण के स्वरूप में इस्तेमाल कर रहा है और इसी रामबाण से विपक्षी दल सत्ताधारी पार्टी एनसीपी के साथ गुल्ली डंडा खेल रहा है अपने डंडे से एनसीपी की गुल्ली उड़ाने के चक्कर में लगा है। 15 नवंबर सोमवार 11:00 बजे कोसा शिमला पार्क तलाब के पास इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और अधिकार सेना पार्टी का जेल भरो आंदोलन शुरू किया गया जहां पर कुछ देर के बाद पत्रकारों से बात करते समय सभी कार्यकताओं पदाधिकारियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर मुंब्रा पुलिस स्टेशन लाया गया। जहां पर पत्रकारों से बात करती हुई इंडियन लीग की महिला अध्यक्ष फरहत शेख ने बताया टोरेंट कंपनी मुंब्रा

कलवा दिवा शील की जनता के साथ पीडी का बकाया बिल का पैसा वसूल कर रही है। उन्होंने बताया इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2003,56(2) के तहत पीडी का बकाया बिल टोरेंट कंपनी ग्राहकों से वसूल नहीं कर सकती और यह टोरेंट कंपनी यह कार्य करने में अहम भूमिका निभा रही हैं। बकाया बिल के ऊपर टोरेंट कंपनी ग्राहकों पर एफ आई आर दर्ज कर रही है। उन्होंने मांग की है कि जिन 6 लोगों पर टोरेंट कंपनी ने एफ आई आर किया है। वह एफ आई आर वापस ले और पीडी का बकाया बिल रद्द करें और किसी भी ग्राहक के ऊपर अपना बिल का पैसा वसूल करने के लिए एफ आई आर ना करें कोरोना काल में देश की जनता की आर्थिक स्थिति चरमरा कर रह गई है। ऐसे नाजुक मोड़ पर लोग अपना घर परिवार कैसा चला रहे हैं यह उनके दिल से ही पूछो और टोरेंट कंपनी जनता के ऊपर अत्याचार कर रही है। पीडी का बकाया बिल वसूल करके यह सब मांगों को लेकर हमने आज जेल भरो आंदोलन किया और जब तक हमारी मांगे टोरेंट कंपनी पूरी नहीं करती। हम थह आंदोलन करते रहेंगे और उन्होंने जनता से भी अपील की है कि आने वाले आगामी मनपा चुनाव में सोच समझकर ही अपना कीमती वोट डालें और ऐसी सरकार बनाए जो जनता के हित में काम करें अधिकार सेना के पदाधिकारी ने बताया टोरेंट कंपनी ग्राहकों के साथ जबरन पैसा वसूल कर रही है उन पर खंडनी का मामला मुंब्रा पुलिस द्वारा दर्ज होना चाहिए। अगर पुलिस हम पर मामला दर्ज करती है तो टोरेंट कंपनी पर भी खंडनी का मामला दर्ज करें आखिर क्यों दर्ज नहीं कर रही है। मुंब्रा पुलिस टोरेंट कंपनी के विरोध में खंडनी का मामला पत्रकार समद खान द्वारा पूछे गए सवाल पर क्या आप का विरोध टोरेंट कंपनी से है या उनकी नीतियों से है। इस पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा हमारा विरोध टोरेंट कंपनी की नीतियों से है अगर वह अपनी नीतियां बदल देगी तो हमारा विरोध खत्म हो जाएगा अब देखना यह है क्या टोरेंट कंपनी इनकी मांगों को पूरी करता है या इसी तरह इन लोगों का विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा यह आने वाला समय ही बताएगा।

(पृष्ठ 1 का शेष भाग)

भाजपा की चौपाल में नेताओं ने.....

पूर्व सीएम एवं विस में नेता प्रतिपक्ष देवेंद्र फड़नवीस की प्रेरणा और मुंबई भाजपा अध्यक्ष मंगल प्रभात लोढ़ा के मार्गदर्शन में मुंबई उत्तर भारतीय मोर्चा अध्यक्ष जे.पी. सिंह, मुंबई भाजपा उपाध्यक्ष एवं चौपाल प्रभारी आचार्य पवन त्रिपाठी आदि के संयोजन में मुंबई के सभी 227 वार्डों में चौपाल का आयोजन किया गया। मुंबई भाजपा उत्तर भारतीय अध्यक्ष जे.पी. सिंह ने कहा कि आज के चौपाल की सफलता सिद्ध हो गया है कि मनपा में स्पष्ट बहुमत के साथ महापौर बनाएंगे। दिंडोशी की चौपाल में राजहंस सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कश्मीर से 370 हटाने जैसे कई अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए गए। पूरे देश में 100 करोड़ से अधिक लोगों का मुफ्त टीकाकरण किया गया। देवेंद्र फड़नवीस ने महाराष्ट्र का जिस तरह से विकास किया उसी का नतीजा है कि मुंबई के चारों तरफ 300 किमी मेट्रो का जाल बिछाया गया। देवेंद्र फड़नवीस और मंगल प्रभात लोढ़ा के नेतृत्व में सभी उत्तर भारतीय मिलकर मनपा में भाजपा की सत्ता लाएंगे। इस अवसर मंडल अध्यक्ष राजन सिंह, नगरसेविका प्रतिभा शिंदे, वॉर्ड अध्यक्ष जे.पी. सिंह, आनंद सिंह, हेमंत शिंदे, अयोध्या पाठक, कमलेश शुक्ला, डॉ.आर.बी.यादव, मुन्ना सिंह, संतोष यादव आदि उपस्थित थे. बांद्रा पूर्व के चौपाल में आचार्य पवन त्रिपाठी ने कहा कि 25 सालों से मनपा में कई हजार करोड़ का जो घोटाला किया गया है उसे हम जनता के सामने लाएंगे। इसी तरह से सायन कोलीवाड़ा में भी चौपाल का आयोजन किया गया। फ्लैंक रोड स्थित भाजी मार्केट में लगी चौपाल में मुंबई भाजपा प्रवक्ता उदय प्रताप सिंह के साथ उभा मोर्चा जिलाध्यक्ष विनय दुबे, वार्ड क्र. 177 अध्यक्ष दुर्गा गुप्ता, महामंत्री मनोज जायसवाल, नगरसेविका नेहल शाह, मंडल अध्यक्ष संतोष गुप्ता आदि उपस्थित थे।

महाराष्ट्र दंगों के पीछे बीजेपी?....

उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि आखिर रजा एकेडमी के दफ्तर में बीजेपी नेता और पूर्व मंत्री आशीष शेलार क्या कर रहे थे? मलिक ने कहा कि बीजेपी को इस बात का जवाब देना होगा। मलिक ने कहा कि महाराष्ट्र का गृह विभाग पूरे मामले की छानबीन में जुटा हुआ है। साथ ही दंगा करवाने वाले लोगों की धरपकड़ शुरू है। अगर कोई नेता भी दोषी होगा तो उसे भी बख्शा नहीं जाएगा। नवाब मलिक ने सोमवार की प्रेस कांफ्रेंस में एक बार फिर से समीर वानखेड़े पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सैम डिसूजा के जरिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की छवि को सुधारने का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन मैं एक बार फिर से कहना चाहता हूं कि समीर वानखेड़े और उनकी चांडाल चौकड़ी मुंबई में रहकर वसूली के धंधे में जुटी हुई है। उनकी प्राइवेट आर्मी में सैम डिसूजा से लेकर काशिफ खान जैसे लोग जुड़े हुए हैं। इन तमाम बातों की भी छानबीन शुरू है। मेरे दामाद समीर खान की फिर से जांच करने की बात कही जा रही है। उनके वॉइस सैंपल को लेने की बात की जा रही है। कोई कितना भी दबाव बनाने की कोशिश करें लेकिन हम डरने वाले नहीं हैं।

निर्भया पथक ने नवजात.....

रात करीब तीन बजे मिली सूचना पर पंतनगर पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुहास कांबले के निर्देश पर पुलिस निरीक्षक किशोर शिंदे के मार्गदर्शन में निर्भया पथक पुलिस ने शिशु को कब्जे में लेकर उसे राजावाड़ी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया। महिला पुलिस शीतल अर्जुन सोनावणे, पारधी व यादव ने बच्ची को जीवनदान देने का काम किया है।

'खून की प्यासी आघाड़ी सरकार'.....

इधर एसटी कर्मचारियों की हड़ताल के समर्थन में मंत्रालय के बाहर दो लोगों ने आत्मदाह की कोशिश की। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने दोनों को समय पर रोकने में कामयाब रहे। रविवार दोपहर 11 बजे के करीब जनशक्ति पार्टी के कुछ कार्यकर्ता मंत्रालय के सामने प्रदर्शन करने पहुंचे थे। इसी दौरान दो लोगों ने खुद पर मिट्टी का तेल डालकर आत्मदाह की कोशिश की। पुलिस ने आत्मदाह की कोशिश करने वाले दो लोगों और मंत्रालय के सामने प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को हिरासत में लिया और उन्हें मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन ले जाया गया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि अगर उनकी मांग नहीं मानी गई तो वे परिवहन मंत्री अनिल परब के घर के बाहर प्रदर्शन करेंगे।

वामसेफ की 550 जिलों में मजबूत कमेटि बन कर तैयार है

संवाददाता सैय्यद अलताफ हुसैन

धनबाद। भूत गढ़िया सुरगुजा बस्ती में भारतीय बेरोजगार मोर्चा भारतीय विद्यार्थी मोर्चा के बैनर तले एससी एसटी ओबीसी और धर्म कन्वर्टेड मेनरोटी के लोगों के बीच मीटिंग रखा गया। जिसमें जन जागृति का कार्यक्रम लगाया गया और देश में हो रहे जातिवाद भेदभाव संविधान के साथ में छेड़छाड़ मुसलमानों की मोब्लिंचन्ग करके मारा जा रहा मस्जिदों को तोड़ा जा रहा। ओबीसी के जाति आधारित गणना ना कराना किसान के खिलाफ काला कानून बनाना रेल सेल भेल बेच देना और गोदी इलेक्ट्रिक मीडिया में कहीं भी एससी एसटी ओबीसी लोगों को जगह नहीं मिलना। यह देश के इतिहास में दुर्भाग्य वाली बात है और जितने भी समस्या भारत देश में उत्पन्न कर रहा है। उसका कारण ब्राह्मण वादी व्यवस्था है क्योंकि अगर ब्राह्मण वादी व्यवस्था हिंदू मुस्लिम में दंगा करवाने में कामयाब नहीं हुआ। तो ऐसी एसटी ओबीसी के लोग ब्राह्मण वादी व्यवस्था से अपना अधिकार मांगने लगेगा क्योंकि आज भी भारत देश में न्यायपालिका पर ब्राह्मणों का कब्जा कार्यपालिका में ब्राह्मणों का कब्जा विधायिका में ब्राह्मणों का कब्जा मीडिया में भी ब्राह्मणों कब्जा, ब्राह्मण या भी जानता है की यह जो मुस्लिम है या कोई बाहर से आए और लोग नहीं बल्कि २.२३.ङ्क से धर्म परिवर्तन किया और लोग हैं। इसीलिए जब भी देश में दंगा फसाद होता है। मरने वाला २.२३.ङ्क या मुसलमान होता है। मतलब मारने वाला भारत देश के मूल निवासी ही है क्योंकि अगर हम अन्य भी जानता है कि

ब्राह्मण भारत देश का रहने वाला नहीं बल्कि ब्राह्मण विदेशी लोग हैं। यह बात हम नहीं बल्कि खुद ब्राह्मण पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपनी बुक डिस्कवरी ऑफ इंडिया में लिखा राहुल सत्संग नाम का ब्राह्मण ने भी एक बुक लिखा। बोलगा टू गंगा उस बुक में भी जिक्र किया है कि ब्राह्मण विदेशी लोग हैं यही जनजागृति अपने बहुजन भाइयों के बीच में हो रहा है। जितना जल्दी एससी एसटी ओबीसी के लोग और हमारे मुस्लिम भाई समझ जाएं उतना जल्दी हम लोगों को इस ब्राह्मणी वादी व्यवस्था से आजादी मिल जाएगा वरना यह ब्राह्मण हम लोगों को यूं ही धर्म के नाम पर लड़वाता रहेगा, बामसेफ संगठन पूरे 550 जिला में अपना संगठन तैयार कर चुका है और जनजागृति का कार्यक्रम चल रहा है। जितना जल्दी हमारा मुस्लिम भाई एससी एसटी ओबीसी को समझाने में यह कामयाब हो जाएंगे की ब्राह्मण तुम्हें जाति में बनाकर अछूत गुलाम बनाया है। इतना जल्दी हमें मुस्लिम और २-२३ में भाईचारा कायम हो जाएगा। बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के मिशन पर भी चर्चा किया गया। कि जब बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी को महाराष्ट्र भंडारा जिला से चुनाव हरवा दिया गया था। तू हमारा मुस्लिम भाई फजलुल हक बंगाल से जीता हुआ सीट इस्तीफा देकर बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी को जितवा कर संविधान ड्राफ्टिंग कमिटी में भेजने का काम किया था इतिहास हम लोगों से छुपाया गया और यह बताया गया कि मुसलमान तुम्हारा दुश्मन है। हम अपने २.२३.ङ्क भाइयों से पूछना चाहते हैं कि मुसलमान हमारा दुश्मन कैसे हुआ। मंदिर में जाने से हमें मुसलमान नहीं रोका सर्वजनिक तलाव पर पानी पीने से मुसलमान नहीं रोका आरक्षण का विरोध मुसलमान नहीं किया तो हम अपने २.२३.ङ्क भाइयों को पूछना चाहते हैं कि मुसलमान हमारा दुश्मन कैसे यही जन जागृति कार्यक्रम पूरे भारत देश में चल रहा है। ताकि त्रिपुरा का मामला हमारे भारत वासियों के बीच में आ सके क्योंकि वहां को हिंदू संगठन नहीं ब्राह्मण संगठन के द्वारा दंगा फसाद कराया जा रहा है और इस पर प्रतिबंध लगना चाहिए और केंद्र सरकार की नीतियों का विरोध करते हुए बहुजन समाज को जनजागृति का कार्यक्रम लगाया जा रहा है। इस कार्यक्रम भारतीय विद्यार्थी मोर्चा भारतीय बेरोजगार मोर्चा के झारखंड महासचिव शंभू पासवान भारत मुक्ति मोर्चा के धनबाद जिला के उपाध्यक्ष गोपाल रजक जी बामसेफ के जिला अध्यक्ष अजय बावरी जी गुड्डु पासवान जी राजेश धारी जी नन्हे अंसारी जी हाजी अली उर्फ राऊफ जी धर्मेंद्र जी काफी संख्या में एससी एसटी ओबीसी के लोग उपस्थित थे।

डेंगू, मलेरिया, कोरोना को वसंत नगरी में खुल्ला आमंत्रण

वसंत नगरी मैदान वसई पूर्व रीगल हाइट के सामने जिम के बाजू में यह कचरा कई दिनों से कई बीमारियों को खुल्ला आमंत्रण दे रहा है। रास्ते में चलना मुश्किल हो गया है। ग्राउंड में सैकड़ों बच्चे खेलने आते है व इतने ही बुजुर्ग मॉर्निंग वॉक को। क्या वसई विरार महानगर पालिका इस ओर ध्यान देगी। अशोक भाटिया वसई विरार यात्री संघ।

बुलढाणा जिले में 74 एसटी कर्मचारी निलंबित कर्मचारियों का आंदोलन तेज होने की संभावना

बुलढाणा। राज्य परिवहन निगम का राज्य सरकार में विलय करने की प्रमुख मांग को लेकर गत 14 दिनों से एसटी कर्मचारियों द्वारा का आंदोलन जारी है। लेकिन अब प्रशासन सख्त रवैया अपनाते हुए हड़ताली कर्मचारियों में आगे रहने वाले कुछ कर्मचारियों पर निलंबन की गाज गिराई है। इसके तहत पांच कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है। इस बीच, दोनों पक्षों में आक्रामकता बढ़ती जा रही है और इसके परिणामस्वरूप, एसटी निगम ने पिछले दो दिनों में बुलडाना जिले में 74 कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। बुधवार को 33 और गुरुवार को 41 कर्मचारियों को निलंबित किया गया। नतीजा यह है कि बुलडाना जिले में एसटी कार्यकताओं की हड़ताल जारी है। हड़ताल के चलते बस स्टैंड पर अब चारों ओर सन्नाटा नजर आ रहा है। एसटी कर्मचारी संघ की कार्य समिति की नौ नवंबर को मुंबई में भी बैठक हुई थी और कोई समाधान नहीं निकला था। इसलिए एसटी कर्मचारियों की भी धरपकड़ बैठती नजर आ रही है। इस हड़ताल से अब तक जिले में एसटी को एक करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हो चुका है। बुलडाना जिले में 74 कर्मचारियों के निलंबन से निकट भविष्य में जिले में आंदोलन और तेज होने की संभावना है। राज्य परिवहन महाराष्ट्र निगम के कर्मचारियों ने विभिन्न मांगों को लेकर राज्य भर में हड़ताल का आह्वान किया है। हड़ताल में शामिल कर्मचारियों को सस्पेंड किया जा रहा है। कल 10 नवंबर को बुलडाना जिले में 33 कर्मचारियों को निलंबित किया गया था, जबकि आज 11 नवंबर को 41 कर्मचारियों को निलंबित किया गया है। बुलडाना डिपो 11, मलकापुर 5, जलगांव जमोद 10 और शेगांव 15 सहित कुल 41 कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है।

देश में पल रहे आतंकी संघटनो पर हुकूमत जल्द से जल्द बंदी लगाए

त्रिपुरा घटना के विरोध में अकटकटु चंद्रपुर का निषेध प्रदर्शन

चंद्रपुर। त्रिपुरा राज्य के धमाबांद गांव में अ शांतिप्रिय संघटनो द्वारा मस्जिदों की तोड़ फोड़ कर आगजनी करने के मामले में अकटकट चंद्रपुर की जानिब से आज 12/11/2021 को जिल्हाधिकारी कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया गया अजान देने के विवाद को लेकर त्रिपुरा आज बुरी तरह जल रहा है। विश्व हिन्दू परिषद ने अजान के विरोध में रैली का आयोजन कर अभद्र नारेबाजी कर, मस्जिदों को निशाना बनाया गया। तकरीबन 23 मस्जिदों की तोड़ फोड़ कर उने आग की हवाले करने की एक घिनौनी हरकत की गयी है। इस घटना का विरोध प्रदर्शन कर, अप्पर जिल्हाधिकारी साहेबा के माध्यम से मा. राष्ट्रपति साहब को निवेदन सौपकर संघटनो पर बंदी लगाकर देश द्रोह का गुन्हा दाखल कर कठोर कार्यवाही की जाये, त्रिपुरा में हो रहे नरसंघार को रोक, विप्लीत कुमार देव की (बि.जे.पि.) सरकार निलंबित कर राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की गई। यह निवेदन अकटकट चंद्रपुर जिला अध्यक्ष नाहीद हुसैन साहब की सदारत में दिया गया। इस वक़्त, शहर व जिला के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता एवं महिला विंग पदाधिकारी मौजूद थे।

राष्ट्र हो या प्रदेश जनविकास के मार्ग पर चलेगी जशपा सेना

विद्या शंकर शुक्ला/ब्यूरो मुंबई हलचल

नैनी, प्रयागराज। रविवार को जनाधार शक्ति पार्टी की बैठक मेवा लाल बगिया स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित हुई। यह बैठक पार्टी मुखिया आशीष दीक्षित के नेतृत्व में हुई। इस बैठक का संचालन मीडिया प्रभारी पीयूष द्विवेदी द्वारा की गई। इस बैठक के दौरान विभिन्न विधानसभा से आए हुए लोगों के साथ आगामी विधानसभा चुनाव 2022 को ध्यान में रखते हुए बहुत ही गहन चर्चा हुई। ध्यातव्य, गत दिन गुरुवार को पार्टी मुखिया आशीष दीक्षित व उत्तर भारत अध्यक्ष अखिलेश शुक्ल ने विधानसभा चुनाव को मद्देनजर रखते हुए एक आपातकालीन महासभा आयोजित किया था। जिसमें उन्होंने इशारों में विधानसभा प्रत्याशियों की भी गहन चर्चा की थी। ऐसे कई सारी बातों को एकत्र कर रविवार की इस बैठक में अपने पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकताओं से विमर्श किया। रविवार की इस बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष आशीष दीक्षित ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राष्ट्र हो या प्रदेश जनाधार शक्ति पार्टी के प्रत्येक पदाधिकारी व कार्यकर्ता आगामी वक़्त में जनविकास में हर पल खुद को समर्पित करेगा, क्योंकि राष्ट्र के बाद अगर हम सब के लिए कोई महत्वपूर्ण है तो वो जनता है एवं समाज में संलिप्त समस्याओं का बिना वक़्त गवाए सत्ता में रहकर या सत्ताधारी के विरुद्ध रहकर डंके की चोट पर पूरा करवाया जाएगा। उन्होंने कहा, 'हम ना तो जातिवाद की विचारधारा रखते हैं ना ही धर्मवाद की, हमारा सिर्फ एक ही पक्षपात है वो विकास है, क्योंकि यही हमारी जाति भी है और धर्म भी। इस बात की गूंज हमारे पार्टी की ओर से जनसंदेश के रूप में प्रत्येक जन के समक्ष उनके दिलों में बसनी व कानों तक पहुँचनी चाहिए।' साथ ही सभी बातों को गहन करते हुए उत्तर भारत अध्यक्ष अखिलेश शुक्ल ने कहा, 'इन सभी बातों का बिगुल और जवाब हमारे विपक्ष को जनता रूपी मिलेगी जिसका प्रारूप सबके समक्ष शीघ्रतापूर्वक देखने को मिलेगी। अब हमारी मजबूत सेना अपने क्षेत्रों में बहुत ही तेजी से जनसंपर्क करने का काम कर रही है, जिसका सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहा है। वक़्त का अभाव बहुत अधिक है इस वक़्त पल-पल का समय हीरे माफिक बहुत ही कीमती है। जिसका बखूबी उपयोग कर आगे की ओर बढ़ना है।' इसी तरह से सभी ने अपनी बातों को रख कार्यालय को एक गंभीर प्रणाली में ढाल दिया। रविवार की इस सभा में कुछ लोगों में पद वितरण भी किया गया जिसमें राम बहादुर सरोज को प्रयागराज युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष के रूप में, शिवपूजन को युवा मोर्चा जिला महामंत्री के रूप में, शांति स्वरूप श्रीवास्तव को फूलपुर विधानसभा महामंत्री के रूप में आदि नियुक्त किया गया। साथ ही महेंद्र कुमार पाल ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस बैठक में मुख्य रूप से राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष मुकेश पाल, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष विनोद पटेल, उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष रविन्द्र पाठक, कर्मवीर आर्य, विनोद सिंह, नितिन श्रीवास्तव, दुर्गेश शर्मा, प्रियांशु तिवारी, अतुल पटेल, एस. एम. केशरवानी आदि उपस्थित रहे।

कान्दिवली पोयसर वार्ड क्र. 23 मे उत्तर भारतीय मोर्चा चौपाल संपन्न

भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा वार्ड क्रमांक 23 मे चौपाल लगाया गया जिसमे काफी मात्रा मे लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम में स्थानीय भाजपा नगर सेवक शिवकुमार झा, मुंबई भाजपा सचिव एडवोकेट ज्ञानमुर्ति शर्मा, उत्तर मुंबई महामंत्री अनिल विश्वकर्मा, विधान सभा अध्यक्ष राजेश दुबे, विधान सभा मीडिया प्रभारी व पत्रकार संदीप सिंह, उपाध्यक्ष मनोज सिंह मंत्री संतोष तिवारी, वार्ड अध्यक्ष रमन मिश्र महामंत्री मनोज पाठक, ज्ञान कुमार विश्वकर्मा, युवा अध्यक्ष सूरज मिश्र दीपक मिश्र, सुमन मौर्य, चंदा सिंह, वसंत झा अन्य गण मान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन वार्ड अध्यक्ष कुलदीप शुक्ला ने की।

यह के के मोहम्मद हैं इन्हें पद्मभूषण दिया गया

मैंने हजारों मुसलमानों के वॉल पर देखा जिन जिन मुस्लिम लोगों को पद्म सम्मान दिया सब ने उनका फोटो लगाकर बधाई दिया लेकिन किसी भी मुस्लिम ने के के मोहम्मद को पद्मभूषण मिलने की बधाई नहीं दिया जानते हैं क्यों? क्योंकि यह वही के के मोहम्मद है जो आर्केलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के डायरेक्टर थे इनकी ही निगरानी में सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या में खुदाई कराई थी इनकी कुल हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में 20 बार गवाही हुई इन्होंने वह सभी चीजें जो खुदाई में मिली थी उसे अदालतों में पेश किया और बताया कि मैं अपनी रिपोर्ट में और सारी चीजों के आधार पर दावे के साथ कह सकता हूं कि अयोध्या में कभी भव्य राम मंदिर था जिसे तोड़कर बाबरी ढांचा बनाया गया था।

सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के दो की मौत

विजय कुमार शर्मा बगहा पश्चिमी चंपारण

बगहा अनुमंडल अंतर्गत रामनगर के नगर पंचायत स्थित नारायणपुर मेन रोड चिरान के पास सड़क दुर्घटना का मामला सामने आया हैं जहा देर रात दो बाइक सवार लोगों ने नशे में धुत होकर अपनी बाइक को अनियंत्रित होते हुए बेकाबू गाड़ी को तंबू में ले जाकर ठोकर मार दी जिसमें मौके पर दोनों बाइक सवार की मौत हो गई बताते चले की दोनों बाइक सवार एक ही परिवार के थे जिनमें से मरने वालों की उम्र लगभग 25से 30 के बीच का बताया जा रहा हैं जिन्हें आनन फानन में स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां डॉक्टर चंद्रभूषण ने जांचोपरांत मृत घोषित कर दिया जिनकी मौत की खबर सुनते ही परिजनों में चीख पुकार मच गई वही मौके पर मामले को जानकारी पाकर मौके पर पहुचे रामनगर थानाध्यक्ष कपूर नाथ शर्मा ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु बगहा अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया ।

सीमा पर जवान गांव में किसान के जान पर आफत बनी मोदी सरकार-रेवती

डीएपी खाद की आपूर्ति नहीं सुधरी तो आंदोलन

विद्या शंकर शुक्ला/ब्यूरो मुंबई हलचल

प्रयागराज। रविवार को राज्यसभा सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह ने असम राईफल्स के कमांडिंग अफसर विप्लव त्रिपाठी उनकी पत्नी व बच्चे के साथ 4जवानों की आतंकी हमला में शहीद होने पर वीर सपूत को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि मोदी सरकार में सबसे ज्यादा फजीहत सीमा पर जवान की और गांव में किसान की हो रही हैं उन्होंने कहा कि किसान का बेटा सीमा पर अपनी जान हथेली पर रख कर देश की रक्षा करता हैं पर मोदी सरकार को किसानों से पता नहीं क्या दुश्मनी हैं कि सेना के जवानों की सुविधाओं में कटौती कर रहे हैं और गांव में किसान के खाद की बोरी से 5किलो खाद गायब कर दिए 50किलो की बोरी 45किलो की हो गई और उसपर भी किसान को खाद के लिए लाठी खानीं पर रही हैं पुरा पैसा देने के बाद भी ऐसी किसान विरोधी सरकार मैंने अपने 50 साल के राजनीतिक जीवन में कभी नहीं देखा। सांसद ने कहा कि बुवाई का सीजन हैं किसानों को डीएपी खाद की आवश्यकता है लेकिन सरकार पूंजीपतियों के दबाव में सरकारी कोपरेटिव सोसायटी में खाद की क्रत्रिम आभाव बना कर अपने सहयोगी उधोगपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए प्रयासरत हैं। सांसद ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि डीएपी खाद की आपूर्ति जल्द से जल्द समान्य ना हुई और किसानों पर लाठी या भगदड़ मची तो बहुत बड़ा जनांदोलन होगा जो किसानों के लिए लाठी खानीं पर रही हैं पुरा पैसा देने के बाद भी ऐसी किसान विरोधी सरकार के लिए गूंगी बहरी सरकार की कुर्सी को हिलाने का काम करेगा। पूर्व प्रदेश प्रवक्ता सपा विनय कुशवाहा ने कहा कि योगी-मोदी सरकार एक तरफ अन्नपूर्णा यात्रा निकाल रही हैं दूसरी तरफ जिंदा अन्नदाता को कुचलने का कार्य हो रहा है भाजपा की सरकार रोजगार मंहगाई की बात ना कर गंगा यात्रा राममंदिर आदि के द्वारा लोगों को धार्मिक उमांद में उलझा कर अपनी राजनीतिक रोटी सेक रही हैं इंसानों की जान की उसे कोई परवाह नहीं है।

प्रतिनिधि से मिलने पहुंचे राष्ट्रीय अध्यक्ष, (राजा भैया)

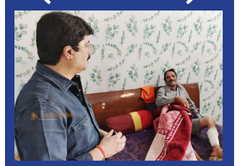

विद्या शंकर शुक्ला/ब्यूरो मुंबई हलचल

प्रयागराज। प्रतापगढ़ कुण्डा नगर निवासी जनसत्ता दल के सक्रिय सदस्य व वरिष्ठ अधिवक्ता हनुमान प्रसाद पांडेय के मार्ग दुर्घटना में घायल हो जाने पर शनिवार को जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष कुं, रघुराज प्रताप सिंह उर्फ (राजा भैया) ने कुण्डा स्थित आवास पर पहुंचकर जाना हाल-चाल, तथा साझा किया दुख दर्द, शीघ्र स्वस्थ होने कामना की तथा हर संभव मदद करने का भरोसा दिया इस मौके पर पार्टी राष्ट्रीय महासचिव डॉ, के एन ओझा आदि लोग मौजूद रहे ।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

दिल्ली में डेंगू ने तोड़ा 6 साल का रिकॉर्ड

एक सप्ताह में 2569 केस मिले, कुल मरीजों का आंकड़ा 5277 तक पहुंचा

नई दिल्ली। डेंगू का डंक अब बेकाबू होता दिख रहा है। दिल्ली सरकार की तमाम कवायदों के बावजूद राजधानी में डेंगू और मलेरिया की रफ्तार थमने का नाम नहीं ले रही है। दिल्ली में बीते एक सप्ताह में डेंगू के रिकॉर्ड करीब 2570 मरीजों की पुष्टि होने के बाद मच्छर जनित बीमारी के कुल मरीजों का आंकड़ा बढ़कर 5270 तक पहुंच गया है। इसके साथ ही दिल्ली में डेंगू के मामलों का छह साल का रिकॉर्ड टूट गया है।

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम द्वारा सोमवार को जारी साप्ताहिक रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में इस सीजन में डेंगू के मामले बढ़कर 5,277 हो गए हैं, जो 2015 के बाद से राजधानी में मच्छर जनित बीमारी के सबसे अधिक मामले हैं। पिछले एक सप्ताह में 2,569 नए मामले दर्ज किए गए हैं, हालांकि, डेंगू के कारण कोई भी ताजा मौत की सूचना नहीं मिली है। अब तक कुल 9 लोगों की मौत हो चुकी है।

नगर निगम की रिपोर्ट के अनुसार, इस सीजन में 13 नवंबर तक 5,277 डेंगू के मामले दर्ज किए गए हैं, जो 2015 के बाद से एक साल में सबसे ज्यादा मामले हैं। पिछले कुछ वर्षों के आंकड़ों पर नजर डालें तो- साल 2016 में 4431 मामले, साल 2017 में 4726 मामले, साल 2018 में 2798 मामले, साल 2019 में 2036 मामले और साल 2020 में 1072 डेंगू के कुल मामले दर्ज किए गए थे।

हर साल मॉनसून की शुरूआत के साथ दिल्ली में डेंगू का प्रकोप देखा जाता है, जो आमतौर पर सर्दी का मौसम आते ही समाप्त हो जाता है। हालांकि, इस वर्ष राजधानी में मामलों में बड़ी वृद्धि देखी जा रही है जो अब भी जारी है।

रोक के बाद भी पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर उतरेंगे सपाई, अखिलेश यादव ने योगी सरकार को चेताया

लखनऊ। गाजीपुर से आजमगढ़ तक मंगलवार को पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर होने वाली अखिलेश यादव की रथयात्रा को प्रदेश सरकार ने इजाजत देने से इनकार कर दिया है। इसे लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को योगी सरकार पर हमला बोला। अखिलेश यादव ने चेताया कि बसपा सरकार ने भी यमुना एक्सप्रेसवे पर सपाइयों को रोकने की कोशिश की थी। इसके बाद भी सपाई एक्सप्रेसवे पर उतरे और सपा की सरकार बन गई। इस बार भी सपाई पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर उसी तर्ज पर उतरेंगे और सपा की सरकार बनेगी।

लखनऊ में अखिलेश यादव ने कहा कि जहां उनकी यात्रा होनी थी, प्रदेश सरकार ने बोल्डर रखवा दिया है। सपा के नेता कल भी प्रशासन से इजाजत देने के लिए मिलने गए हैं। इजाजत नहीं मिलने पर भी सपाई वही करेंगे जो बसपा की सरकार में किया था। अखिलेश ने आरोप लगाया कि गाजीपुर से सुल्तानपुर तक सपा नेताओं को अभी से घरों में कैद किया जा रहा है। उनकी गिरफ्तारी की तैयारी हो रही है।

अखिलेश ने इस बात पर आश्चर्य जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक्सप्रेसवे उद्घाटन के कार्यक्रम को कारण बताते हुए उनके आयोजन को इजाजत नहीं दी जा रही है। अखिलेश ने कहा कि मुझे हेलीकॉप्टर से गाजीपुर के अखिरी गांव में उतरना था। वहां से आजमगढ़ जाना था। आजमगढ़ से सुल्तानपुर सौ किलोमीटर दूर है, फिर भी हमें रोक रहे हैं। हम आसमान में उनसे मिलने तो नहीं जा रहे हैं, फिर मुझे क्यों रोका जा रहा है? इतनी दूरी के बाद भी मेरी रथयात्रा से प्रधानमंत्री का कार्यक्रम कैसे बाधित हो सकता है?

एच,आर ,इंग्लिश क्लासेस मोहम्मदपुर में योमे अतफाल के मौका पर उर्दू अशआर खानी मुसाबका में आर. एन. कॉलेज के तलवा और तलवात मे तकरीब और तकसीम इनामात, मोहम्मद सज्जाद आलम मुखिया जी

संवाददाता /मो. सालिम आजाद

मधुबनी। एच,आर, इंग्लिश क्लासेस मोहम्मदपुर में मोनाकद योमे अतफाल के मोका पर उर्दु अशआर खानी मुसाबका मैं आर,एन, कॉलेज पंडौल के तलाबा और तलवात ने जीत हासिल करके अपने इलाके और कॉलेज का नाम रोशन किया इस जीत पर कालेज के उर्दू टीचर डॉ मनोवर राही ने कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ आरती प्रसाद और साबिक प्रिसिंपल डॉ एस के शर्मा और पूरे कॉलेज के टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ को मुबारकबाद पेश करते हुए कहा कि यह कॉलेज की कामयाबी है इस मौका पर ऑगेर्नाइजर और डायरेक्टर एच,आर इंग्लिश क्लासेस हस्सान रागिब ने जरहटीया के मुखिया सज्जाद अंसारी, मारूफ शायर डॉक्टर मकसूद आलम रफत, एम ,सरवर पनडोलवी, और एम एल इस कॉलेज सरीसब पाही के इंग्लिश के प्रोफेसर डॉक्टर दस्तगीर आलम,युथ फाउन्डेशन दरभंगा के शादाब आलम, मोहम्मद काशिफ के अलावा पंडोल के नेट क्वालीफाई तलवा जिया बिलाल, सलमान फैसल ,मोईन एकबाल, और साकिब अंसारी वगैरा का मोमेंटो और फूलों के हार से इस्तकबाल किया गया। कामयाब तलबा और तलबात को एच,आर इंग्लिश क्लासेस की तरफ से मेमेनटो सर्टिफिकेट और एगजो की टीम की जानिब से मेडल दिया गया। मुसाबका

अशआर खानी में अल्लामा इकबाल ग्रुप से आर, एन, कॉलेज के अदनान निजामी ने अव्वल मुकाम, साइमा खातून ने दूसरा ,कशफ नाज ने और तीसरा मुकाम हासिल किया और मिर्जा गालिब ग्रुप से 11वीं जमात के मोहम्मद तुफेल ने अव्वल, सलमा इंतखाब ने दुसरा, और बी ,ए ,पार्ट वन के मोहम्मद तुफैल ने तीसरा मोकाम हासिल किया। नीतीश किया जिन्हें मेहमानाने के हाथो इनामामात से नवाजा गया आखिर में है हससान सर ने तमाम मेहमानों के साथ गांव के लोगों का भी शुक्रिया अदा करते हुए प्रोग्राम के एखतेताम का ऐलान किया। प्रोग्राम के एनेकाद मे फैजान वासीब और एच,आर इंग्लिश क्लासेस में पढ़ने वाले तला और तलबात ने सबो रोज की मेहनत से चार चांद लगा दिया इस प्रोग्राम से बच्चों में उर्दू जोबानो से दिलचस्पी पैदा हुई है जिससे इलाके के लोगों में खुशी महसूस की जा रही है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

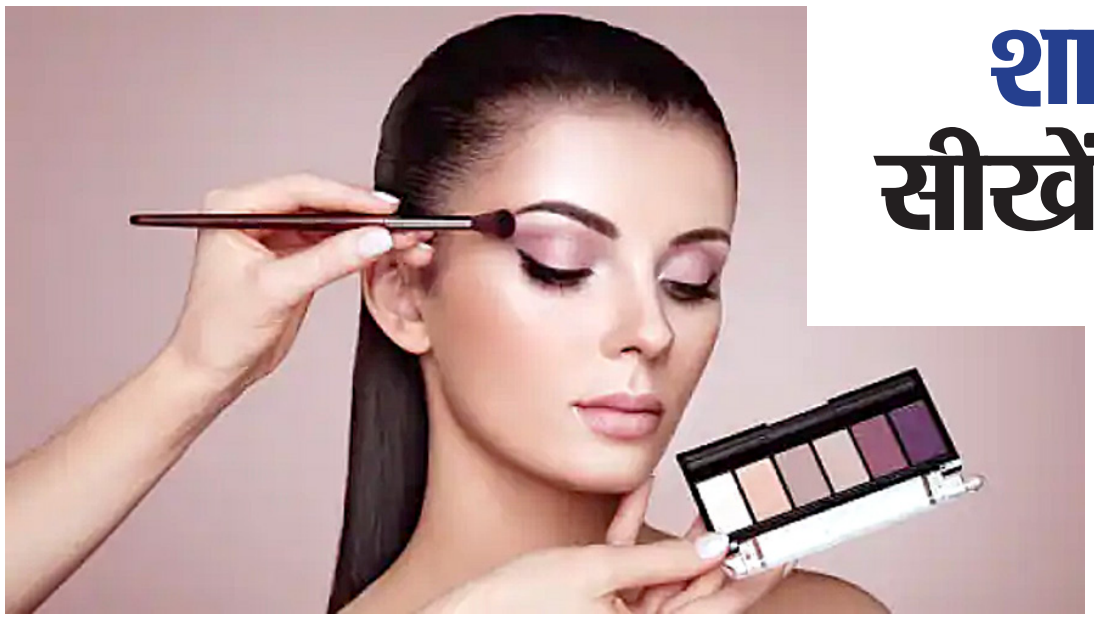

शादी में जाने से पहले सीखें परफेक्ट आईशैडो लगाने का तरीका

आंखें दिखेंगी बेहद खूबसूरत

शादियों के सीजन का आगाज हो चुका है। ऐसे में महिलाओं के लिए मेकअप टिप्स जानना बहुत जरूरी है। किसी भी वेडिंग में जाने से पहले महिलाएं कई तरह की तैयारियां करती हैं। जिसमें सबसे ज्यादा इम्पोर्टेंट होता है मेकअप। अब मेकअप में आईशैडो लगाते ही चेहरे का लुक पूरी तरह से बदल जाता है। आईशैडो भी बहुत अलग-अलग स्टाइल में लगाया जाता है। इसे अक्सर लड़कियां अपने ड्रेस के कलर के हिसाब से लगाते हैं। कई बार आईशैडो का कलर या उसे लगाने का तरीका सही नहीं होता जिसकी वजह से लुक खराब हो जाता है। तो जानते हैं आप परफेक्ट आईशैडो लगाने का तरीका।

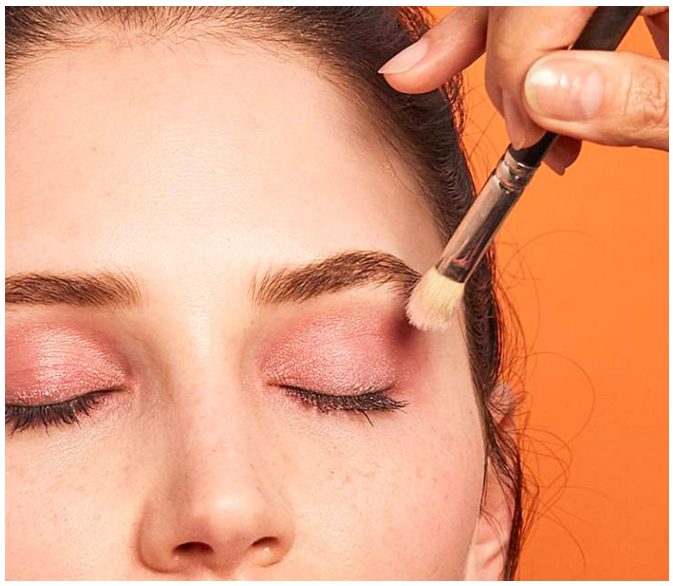

पहला तरीका

अच्छा आईशैडो लगाने के लिए टेप का सहारा ले सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले टेप को आंखों के बाहरी किनारे पर लगाएं और फिर उसके बाद आईशैडो अप्लाई करें। इससे आंखों से बाहर नहीं जाएगा साथ ही ये बहुत ही अच्छा लुक क्रिएट करेगा।

दूसरा तरीका

अगर आप 3-4 रंग का आईशैडो लगाना चाहते हैं। तो आप ध्यान रखें की ब्रो लाइन के पास लाइट शेड लगाएं और आईलिड्स पर मीडियम शेड लगाएं। अब लुक को अच्छे से क्रिएट करने के लिए आप क्रिजेज पर डार्क शेड लगाएं। वेडिंग में ग्लिटरी लुक के लिए आप कॉर्नर पर शिमर लगा सकते हैं।

तीसरी तरीका

आईशैडो का रंग लगाना आसान है लेकिन उसे सही तरीके से ब्लेंड करना जरूरी है। प्रोफेशनल और क्लीन लुक मेकअप के लिए आपको मेकअप ब्रश का इस्तेमाल करें। आईशैडो को अच्छे से ब्लेंड करें ताकी ये लुक को अच्छे से क्रिएट करने में मदद करेगा।

चौथा तरीका

अगर आप ज्यादा पिग्मेंटिड आईशैडो का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं तो आप पहले व्हाइट बेस तैयार करें। इसके लिए आप व्हाइट काजल या आईशैडो आईलिड्स पर लगाकर ब्लेंड करें। ऐसा करने से आईशैडो अच्छी तरह उभर कर सामने आएगा।

सर्दी-जुकाम और खांसी से हैं परेशान ? ये घरेलू नुस्खे करेंगे आपकी मदद

बंद नाक हर किसी के लिए परेशानी बन जाती है। इस मौसम में अक्सर लोगों को इस समस्या का सामना करना पड़ता है। इसकी वजह से सिर दर्द और बदन दर्द होने लगता है। ऐसे में आज हम आपको बताने वाले हैं कुछ घरेलू उपायों से बंद नाक को ठीक कर सकते हैं। साथ ही ये उपाय आपको कफ रिलीफ में भी मदद करेंगे। जानते हैं-

1) हाईड्रेशन

हर डॉक्टर ज्यादा से ज्यादा पानी पीने की सलाह देते हैं। ये न सिर्फ आपकी हेल्थ के लिए अच्छा होता है बल्कि आपकी स्किन के लिए भी कमाल करता है। अगर आपको झुकाम है तो आपको ज्यादा से ज्यादा पानी पीने की सलाह दी जाती है, क्योंकि इस समय में आपको खुद को हाईड्रेट रखने की जरूरत होती है। गर्म पानी हमारे नाक के मार्ग को बंद करने वाले बलगम को पतला करने में मदद करता है। पानी, चाय, जूस और गर्म सूप पीते रहें जिससे गले को भी आराम मिले।

2) गर्म सेक

दादी-नानी द्वारा बताया गया एक पुराना नुसखा है और बहुत प्रभावी है। नाक और माथे पर गर्म सेक बहुत आरामदायक होते हैं और यहां तक कि बंद नाक खुल जाती है। ऐसा दिन में कई बार करें, इससे सूजन भी कम हो जाएगी।

3) स्टीम

कोरोना काल में हर किसी को स्टीम के फायदे पता चल गए हैं। ऐसे में आप स्टीमर में पुदीना या इलायची के बीज जैसे दिन में 2-3 बार एंटीसेप्टिक जड़ी बूटियों को भी डाल सकते हैं।

4) एसेंशियल ऑयल अरोमा

सांस लेने में तकलीफ, नाक बहना हमें कमजोर महसूस कराता है और हमें अपने रोजाना के काम में परेशान करता है। नीलगिरी के तेल को गर्म पानी में मिलाकर 15 मिनट के लिए रख दें या पुदीने के तेल में मिला लें। सुगंध को अंदर लें और देखें कि यह आपकी नाक को साफ करने में कितनी प्रभावी रूप से मदद करता है।

5) लहसुन का सूप

सूप वैसे भी न केवल हाइड्रेशन में मदद करने में बल्कि हमें पोषण देने के लिए अच्छा है। जब इस सूप में लहसुन हो तो यह और अच्छा हो जाता है। आप रोजाना 2 से 3 बार लहसुन की कली भी खा सकते हैं क्योंकि यह आपको बंद नाक से राहत मिलेगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

जाह्नवी कपूर ने लगाई आग

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर इन दिनों अपनी बहन खुशी कपूर के साथ छुट्टियां मना रही हैं। अब हाल ही में जाह्नवी कपूर ने अपने इस वेकेशन से कुछ अपनी बेहद खूबसूरत और बोल्ड तस्वीरें शेयर की हैं। जिनमें एक्ट्रेस का लुक देखते ही बन रहा है। जाह्नवी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए ये तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में जाह्नवी फ्लोरल प्रिंट बिकिनी पहनी हुई हैं। इसके साथ उन्होंने कमर में सेम प्रिंट का स्कार्फ भी पहना हुआ है। जाह्नवी ने तस्वीरों के साथ वीडियो भी शेयर किया है। जिसमें एक्ट्रेस अपनी बहन खुशी कपूर के साथ मस्ती करती दिखाई दे रही हैं। इन तस्वीरों क शेयर करते हुए जाह्नवी कपूर ने कैप्शन में लिखा, 'लुंगी डांस'।

नुसरत की सफाई

बंगाली अभिनेत्री और टीएमसी सांसद नुसरत जहां ने निखिल जैन के साथ अपनी पहली शादी पर उठे विवाद को लेकर चुप्पी तोड़ी है। नुसरत ने एक इंटरव्यू में कहा कि इस पूरे मामले में उनकी छवि गलत तरीके से पेश की गई है। नुसरत ने कहा कि उन्होंने मेरी शादी के खर्चे नहीं भरे, ना उन्होंने मेरे होटल के बिल भरे हैं, मुझे उन्हें कुछ नहीं कहना। मैं ईमानदार हूं। मेरी छवि गलत तरीके से दिखाई गई। नुसरत ने आगे कहा कि किसी और को दोष देना आसान था, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। नुसरत कुछ समय पहले पति निखिल जैन के साथ विवादों के चलते सुर्खियों में आई थीं। निखिल और नुसरत पिछले साल नवंबर से अलग रह रहे हैं। दोनों के रिश्ते पर लगातार सवाल उठ रहे थे जिसके बाद नुसरत ने मीडिया के सामने आते हुए निखिल के साथ अपनी शादी को अमान्य करार दे दिया था और उन पर अपने पैसों के गलत इस्तेमाल और धोखाधड़ी के आरोप लगाए थे। वहीं, निखिल ने आरोपों पर कहा था कि शादी के बाद से ही नुसरत के व्यवहार में बदलाव आ गया था। नुसरत ने उनसे काफी पैसे उधार लिए थे। निखिल ने ये भी कहा कि बार-बार शादी रजिस्टर करवाने की बात कहने के बावजूद नुसरत ने उनकी बात नहीं सुनी और आनाकानी करते हुए इसे टालती रहीं।

हे दोस्तों फैशन और फिल्म उद्योग के लिए वर्ष 2021 के प्रतिष्ठित पुरस्कार के साथ खुद को नामांकित करने और सम्मानित करने का अवसर मिलता है ₹दादा साहब फाल्के फैशन आइकॉन अवार्ड 2021₹ 1) उद्योग जगत की जानी-मानी हस्ती द्वारा प्रत्येक नामांकित व्यक्ति को पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। 2) प्रत्येक नामांकित व्यक्ति का प्रेस मीडिया कवरेज 3) प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे 22 नवंबर 2021 से पहले खुद को नामांकित करें, अगर आप ऊपर दी गई इस कैटेगरी में फिट हैं और सेलेब्रिटीज के साथ 2022 के कैलेंडर शूट के लिए गोवा घूमने का मौका पाएं।